Hindustan (Hindi) 17/6/2016

देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान का परिसर खुला

देवप्रयाग | हमारे संवाददाता

देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का शुभारंभ हो गया है। संस्थान का देशभर में यह तेरहवां परिसर है। परिसर का शुभारंभ शिक्षा मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी दीप जलाकर किया।

गुरुवार को परिसर के शुभारंभ शिक्षा मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि परिसर के खुलने से उत्तराखंडवासियों का वर्षों का सपना पूरा हुआ है। इससे देवभूमि में संस्कृत का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा। उन्होंने इसके लिए प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय मानव संसधान मंत्री स्मृति ईरानी का आभार भी जताया। कहा कि श्री रघुनाथ कृर्ति परिसर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर संस्कृत अध्ययन व शोध का केन्द्र बनेगा। कहा कि परिसर भवन की आधारशिला शीघ्र ही केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और मुख्यमंत्री हरीश रावत द्वारा रखी जाएगी। शिक्षा मंत्री ने पूर्व में संचालित संस्कृत विद्यालय को प्राथमिक विद्यालय बहाबाजार में चलाए जाने के निर्देश मुख्य शिक्षा अधिकारी पौड़ी को दिए। संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्यों में परिसर खोलने की जरूरत बताई। पूर्व राज्य सभा संसाद मनोहर कांत ध्यानी ने देवप्रयाग में संस्थान के परिसर निर्माण और कुंभ क्षेत्र बनाए जाने पर मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का आभार जताया। प्रभारी राज्य सूचना आयुक्त राजेन्द्र कोठियाल ने कहा कि परिसर में देश भर से छात्र-छात्राएं अध्ययन व शोध के लिए आएंगे, जिससे देवप्रयाग क्षेत्र का महत्व और बढ़ेगा। इस

देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण संस्थान परिसर का शुभारंभ करते शिक्षा मंत्री।

मौके पर परिसर प्रभारी प्रो. सर्व नारायण झा, मानव संसाधन मंत्रालय के सचिव सुखबीर सिंह सन्दू, पूर्व संस्कृत निदेशक डॉ. वाचस्पति मैठाणी, नगर पंचायत अध्यक्ष शुभांगी कोटियाल, कृष्णकांत कोटियाल, एसडीएम पौड़ी पीएल शाह, कीर्तिनगर दीपेन्द्र नेगी, प्रधानचार्य डॉ. एसएन कोटियाल, सब्बल सिंह, विद्यार्थी पालीवाल, सुदर्शन असवाल, रूकमणी देवी, रमेश चन्द्र शर्मा, मकान सिंह थे।

Amar Ujala (Hindi) 17/6/2016

देवप्रयाग में देश का 13वां संस्कृत संस्थान

शिक्षामंत्री और कुलपति ने किया श्रीगणेश

अमर उजाला ब्यूरो

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का बृहस्पतिवार को शिक्षा मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी और संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने शुभारंभ किया। उन्होंने उत्तराखंड में देश के 13वें राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान परिसर की स्वीकृति पर नैथानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी का आभार जताया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य के लिए कुंभनगरी देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान का परिसर खोला जाना गंगा और शेष पेज 21 पर

संस्कृत के अध्ययन और शोध को मिलेगा बढ़ावा

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान का शुभारंभ करते हुए नैथानी और प्रो. शास्त्री।

देवप्रयाग में देश का 13वां...

संस्कृत भाषा का अटूट बंधन है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और मुख्यमंत्री हरीश रावत शीघ्र देवप्रयाग में संस्थान के भवन की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने श्री रघुनाथ कीर्ति संस्कृत विद्यालय (यहां अब संस्कृत संस्थान संचालित होगा) को प्राथमिक विद्यालय बाह में संचालित करने के निर्देश दिए। संस्थान के कुलपति परमेश्वर नारायण शास्त्री ने कहा कि पूरे भारत वर्ष में संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए अन्य राज्यों में भी परिसर की स्थापना करनी होगी। पूर्व राज्यसभा सांसद मनोहर कांत ध्यानी ने देवप्रयाग में संस्कृत संस्थान और कुंभ क्षेत्र घोषित किए जाने पर आभार जताते हुए कहा कि देवप्रयाग प्राचीन काल से ज्ञान का केंद्र रहा है। प्रभारी राज्य सूचना अधिकारी राजेंद्र कोटियाल ने कहा कि संस्थान अध्ययन और शोध करने का मुख्य केंद्र होगा। इस अवसर पर पूर्व संस्कृत निदेशक डा. वाचस्पति मैठाणी, नगर पंचायत अध्यक्ष शुभांगी कोटियाल, डा. शैलेंद्र शास्त्री, एसडीएम पौड़ी पीएल शाह, एसडीएम कीर्तिनगर दीपेंद्र नेगी, विद्यार्थी पालीवाल और केके कोटियाल मौजूद थे।

Amar Ujala (Hindi)
19/8/2016

संस्कृत संस्थान देवप्रयाग में संस्कृत सप्ताह शुरू

देवप्रयाग। श्री रघुनाथ कीर्ति राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में रक्षा बंधन पर्व से संस्कृत सप्ताह का श्रीगणेश किया गया। शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष शुभांगी कोटियाल ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के मूल तत्व संस्कृत भाषा में ही निहित हैं। हमें अपनी संस्कृति के संरक्षण के लिए संस्कृत भाषा को सीखना चाहिए।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कृष्णकांत कोटियाल ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परंपरा का मूल स्रोत संस्कृत है। परिसर प्रभारी डा. बाल मुरुगन ने बताया कि प्रतिवर्ष श्रावण पूर्णिमा को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान संस्कृत दिवोत्सव मनाता है। 24 अगस्त को सप्ताह का समापन होगा।

डा. शैलेंद्र नारायण कोटियाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक साहित्य विभागाध्यक्ष डा. प्रफुल्ल, डा. मनोज दुग्गल, डा. सुशील बडोनी, डा. अरविंद गौड़, डा. शैलेंद्र उनियाल और डा. मुकेश शर्मा आदि उपस्थित थे। ब्यूरो

Amar Ujala (Hindi) 21-08-2016

अब कंप्यूटर सिखाएगा संस्कृत में छंद, अलंकार

राजेश भट्ट

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के शिक्षक डा. मनीष जुगरान ने देववाणी संस्कृत भाषा को सर्वसुलभ बनाने के लिए कंप्यूटर प्रोग्राम तैयार किया है। इस प्रोग्राम की मदद से कोई भी व्यक्ति संस्कृत भाषा में आसानी से छंद और अलंकार की जानकारी हासिल कर सकता है।

डा. जुगरान हाल में खुले राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के देवप्रयाग परिसर में शिक्षा शास्त्र विषय में सहायक आचार्य (असिस्टेंट प्रोफेसर) हैं। मूलरूप से पौड़ी जिले के उतिंडा (द्वारीखाल) के रहने वाले जुगरान ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मानित विवि नई दिल्ली से इसी वर्ष विद्यावारिधि (पीएचडी) हासिल की है। उन्होंने इंपेक्ट ऑफ प्रोग्राम लर्निंग अपॉन द लर्निंग ऑफ़ सलेक्टेड छंद और अलंकार (प्रमुखच्छदोस्अलकाराधिगमे अभिक्रमेताध्ययनस्य प्रभावः) विषय पर शोध किया है।

डा. जुगरान ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए अभिनव प्रयोग किया है। उन्होंने छंद और अलंकारों को सीखने के लिए कंप्यूटर प्रोग्राम तैयार किया है। डा. जुगरान का कहना है कि वर्तमान के कंप्यूटर युग में संस्कृत शिक्षा को कंप्यूटर से जोड़कर अधिक प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। कंप्यूटर में आसान प्रोग्रामिंग के जरिए संस्कृत भाषा को आसानी से जाना जा सकता है। छंद और अलंकारों को सीखने के लिए कंप्यूटर प्रोग्राम बनाने के बाद वह संस्थान के छात्र-छात्राओं को सरल तरीके से संस्कृत सिखाने के लिए कंप्यूटर लर्निंग प्रोग्राम विकसित कर रहे हैं।

उपलब्धि

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान देवप्रयाग के शिक्षक डा. मनीष जुगरान ने बनाया कंप्यूटर प्रोग्राम

ऐसा है प्रोग्राम

छंदोअलंकार : अभिक्रमित अधिगम (छंद व अलंकार कंप्यूटर असिस्टट प्रोग्राम) नाम से बने इस अप्लीकेशन में डा. जुगरान ने 20-20 प्रमुख छंद व अलंकार को फीड किया है। प्रोग्राम में प्रत्येक छंद व अलंकार की परिभाषाएं लिखी हुई हैं। जैसे-जैसे छात्र आगे बढ़ता है छंद व अलंकार संबंधी प्रश्न कंप्यूटर की स्क्रीन पर आते हैं। जब छात्र प्रश्नों का सही उतर देता है, तभी वह आगे बढ़ पाता है। जुगरान ने इसको मोबाइल एप बनाने की भी तैयारी कर ली है। विवि की अनुमति मिलने के बाद यह ऑन लाइन हो जाएगा।

Hindustan (Hindi)
23/09/2016

भाषण में मनीष अनिरुद्ध अव्वल

देवप्रयाग। श्री रघुनाथ कीर्ति राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान देवप्रयाग में संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत भाषण और श्रीमद्भागवतगीता श्लोक प्रतियोगिता की गई। इसमें संस्थान सहित कई विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में भाषण स्पर्धा में संस्थान के छात्र मनीष नौटियाल प्रथम, सरस्वती विद्या मंदिर की ाषिता तिवारी और मनीष कैरवान तृतीय स्थान पर रहे। वरिष्ठ वर्ग में संस्थान के अनिरुद्ध प्रथम, श्यामदेव द्वितीय व नीरज नौटियाल तृतीय स्थान पर रहे। श्रीमद् भागवत गीता के कंठस्थ पाठ में वरिष्ठ वर्ग में मनीष पंत, श्याम देव, अभिलाषा व कनिष्ठ वर्ग में प्रियांशु ध्यानी जीते।

Hindustan (Hindi) 26/8/2016

संस्कृत संस्थान देवप्रयाग में संस्कृत महोत्सव का आयोजन

समूहगान में रघुनाथ कीर्ति विद्यालय प्रथम

देवप्रयाग | हमारे संवाददाता

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान देवप्रयाग में आयोजित संस्कृत महोत्सव सप्ताह का विधिवत समापन हो गया है। इस मौके पर महोत्सव के विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

गुरुवार को देवप्रयाग स्थित राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में आयोजित संस्कृत सप्ताह के समापन अवसर पर पहुंचे मुख्य अतिथि लोनिवि के कार्यवाहक अभियंता आरसी शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से बनाए जा रहे संस्थान के परिसर का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। कहा कि करीब चार सौ करोड़ की लागत से बनने वाले संस्थान की भूमि का डिजिटल सर्वे पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि संस्कृत संस्थान देश में तेरहवां संस्थान होगा।

इस मौके पर संस्थान के प्राचार्य प्रो. केवी सुब्बारायडू ने कहा कि संस्थान संस्कृत के छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक कार्यक्रम चला रहा है। इस मौके पर आयोजित संस्कृत समूहगान प्रतियोगिता में रघुनाथ कीर्ति विद्यालय प्रथम, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वितीय और तृतीय रहे। जबकि ओंकारानंद पब्लिक स्कूल को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

विजेता छात्रों को मुख्य अतिथि ने मेडल, प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। इस मौके पर संयोजक डा. प्रफुल्ल गडयाल, डा. आर वालमुग्न, डा. शैलेंद्र नारायण कोटियाल, डा. मनीष जुगरान, डा. मुकेश शर्मा, डा. सुशील बडोनी, डा. ओम शर्मा, डा. अशोक थपलियाल आदि मौजूद रहे।

संस्कृत महोत्सव

- देवप्रयाग में संस्कृत महोत्सव सप्ताह का हुआ विधिवत समापन
- विजेता छात्रों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर किया सम्मानित

Amar Ujala (Hindi) 28/8/2016

संस्कृत को पोषित करेगा संस्थान

पौड़ी। संस्कृत को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग पोषित व संरक्षित करेगा। प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बरामुडु ने पत्रकार वार्ता में कहा कि विद्यालय में साहित्य, वेद, व्याकरण, ज्योतिष व न्याय सहित सात विषय स्नातकोत्तर स्तर पर पढ़ाए जा रहे हैं। प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य व विद्यावारिधि का शिक्षण शुरू हो गया है, जबकि शिक्षा शास्त्री अर्थात बीएड का पाठ्यक्रम अगले सत्र से शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यालय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम योगा, शारीरिक शिक्षा व ज्योतिष के कोर्स भी चल रहे हैं। प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय के भवन निर्माण के लिए 98 करोड़ की डीपीआर मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेज दी गई है। उन्होंने उत्तराखंड सरकार से मांग की है कि विद्यालय के लिए यथाशीघ्र संपर्क मार्ग को पूरा किया जाए। प्रेसवार्ता में विद्यालय के प्रबंधक कृष्णकांत कोटियाल, डॉ. मुकेश कुमार शर्मा, संपूर्णानंद नौडियाल उपस्थित थे। ब्यूरो

13/11/2016
अमर उजाला

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान देवप्रयाग परिसर का भूमि पूजन

देवप्रयाग(ब्यूरो)। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के शैक्षिक और प्रशासनिक भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन हुआ। संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री व प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायडू के हाथों भूमि पूजन हुआ।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 13 वें परिसर के रुप में श्री रघुनाथ कीत परिसर की स्वीकृति दी है। फिलहाल यह परिसर देवप्रयाग में किराए के भवनों में संचालित हो रहा है। स्थायी परिसर के लिए बाजार से सटे नृसिंहाचंल पर्वत पर भूमि चयनित की गई है।

प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायडू ने बताया कि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के एकमात्र परिसर के लिए केंद्र ने 500 करोड़ मंजूर किए हैं। यहां 400 विद्यार्थियों के लिए कक्षा कक्ष, पुस्तकालय, छात्रावास, स्टेडियम और सभागार का निर्माण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग करेगा। परिसर निर्माण हेतु राज्य सरकार से 15 एकड़ और श्री रघुनाथ कीर्ति महाविद्यालय से 8 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में डा. शैलेंद्र उनियाल, नगर पंचायत अध्यक्ष शुभांगी कोटियाल, डा. आर बालमुरुगन, डा. मनीष जुगरान, डा. वीरेंद्र बत्र्वाल और डा. प्रफुल्ल गडपाल आदि उपस्थित थे।

23/12/2016
अमर उजाला

23 को देवप्रयाग में जुटेंगे देशभर के विद्वान

राष्ट्रीय संस्कृत संस्था के रघुनाथ कीर्ति परिसर की ओर से हो रहा कार्यक्रम का आयोजन

देवप्रयाग (ब्यूरो)। संगम नगरी देवप्रयाग में अगले माह देश भर के विद्वान एक साथ जुटेंगे। 23 से 31 जनवरी तक होने वाले इस आयोजन में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, शारीरिक शिक्षा और कंप्यूटर आदि विषयों के विशेषज्ञ नए-नंए शोधो को प्रस्तुत करने के साथ ही आगामी नीतियों पर चर्चा करेंगे।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान का नवसृजित श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में नौ दिनों तक विभिन्न विषयों पर शोध पत्र पढ़े जाएंगे। संस्थान के प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायडू ने बताया कि व्याकरण, साहित्य विषय पर संगोष्ठी होगी। व्याकरण की संगोष्ठी का विषय 'महाभाष्यस्य लौकिकालौकिकोपयोगित्वम' रखा गया है। जबकि साहित्य विषय में 'संस्कृतेह्यनूदितं लघुकथासाहित्यम' पर चर्चा होगी। इसी तरह ज्योतिष का विषय 'गोलविमर्शम' और वेद का 'वेदेषु राष्ट्र चेतना' होगा। हिंदी में संस्कृत का हिंदी से अंतः संबंध विषय पर चर्चा होगी। वहीं इतिहास विषय में संस्कृत और इतिहास का अंतः संबंध पर शोध पत्र पढ़े जाएंगे। जबकि कंप्यूटर में संस्कृत और कंप्यूटरीकृत भाषा-विज्ञान के अंतः संबंध और अंग्रेजी में इंटरडिसीप्लिनरी एप्रोचेज इन संस्कृत विषय पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि विद्वानों के इस महाकुंभ में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लगभग 250 विद्वानों के पहुंचने की संभावना है। संगोष्ठी में वाचन के लिए शोध पत्रों का आना शुरू हो चुका है। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. बनमाली बिस्वाल ने बताया कि संगोष्ठी का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे अनुसंधानों को जनोपयोगी बनाना है।

28/12/2017
हिन्दुस्तान

28 दिसम्बर 2017

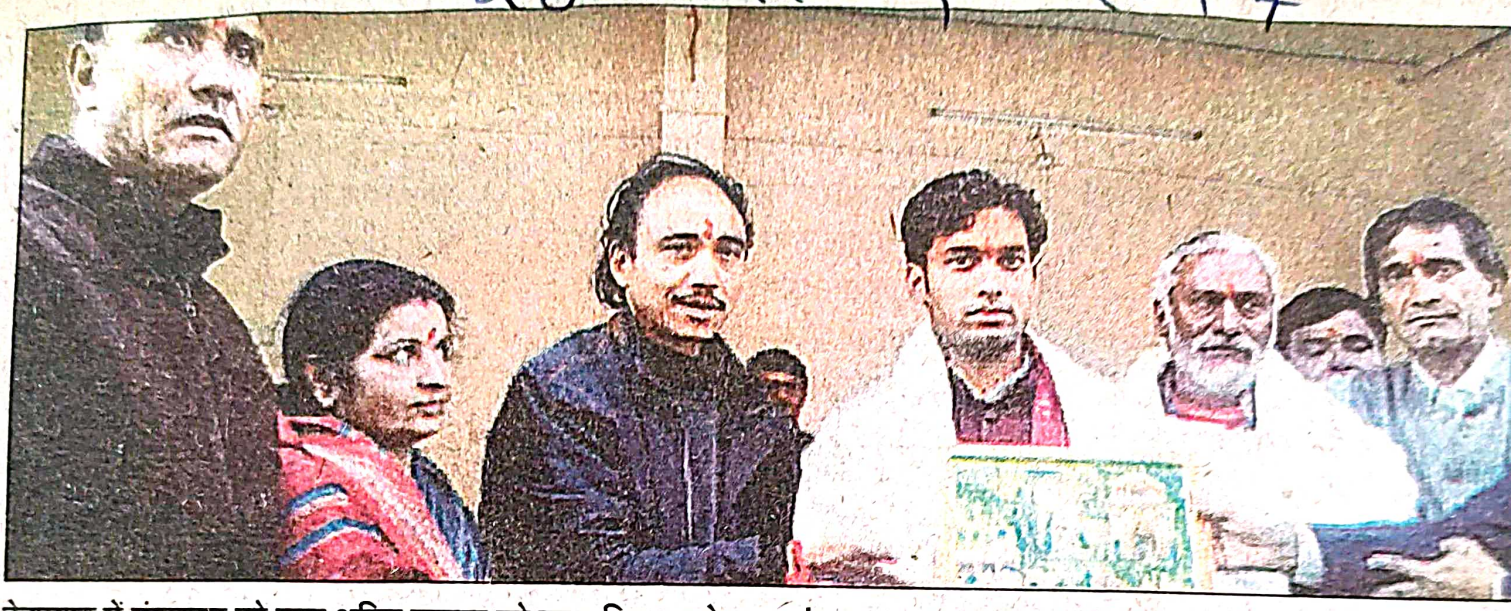

देवप्रयाग में मंगलवार को छात्र अमित प्रकाश को सम्मानित करते नगर पंचायत अध्यक्ष। ● हिन्दुस्तान

अमित को किया सम्मानित

देवप्रयाग | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय की बीएड परीक्षा में प्रदेश में सर्वोच्च स्थान हासिल करने वाले छात्र अमित प्रकाश का देवप्रयाग में अभिनंदन किया गया। राज्यपाल की ओर से पूर्व में भी छात्र को स्वर्णपदक से समानित किया गया है। मंगलवार को देवप्रयाग के श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में बदरी-केदारनाथ मंदिर समिति के सीईओ बीडी सिंह व बदरीश पंडा पंचायत सचिव बालकराम ध्यानी ने उत्तराखंड संस्कृत विवि की बीएड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र अमित प्रकाश बंदोलिया को दस हजार रुपये की धनराशि के साथ स्मृति चिन्ह देकर समानित किया।

मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष शुभांगी कोटियाल, प्रो. केवी सुब्बारायडू, कृष्णकांत कोटियाल, डॉ. शैलेन्द्र नारायण, अनिल ध्यानी, अमरनाथ शर्मा, अनिल राही, बल्लभराम सिंधी, श्यामलाल पंचपुरी, गौरव पंचभैया, राजेन्द्र त्रिपाठी विजय जोशी, हरीश तिवारी आदि उपस्थित रहे।